Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 21, Issue No. 4, May-2024, ISSN 2230-7540

DOI: https://doi.org/10.29070/jzzpgs27

Check for updates

पुरुष और महिला विश्वविद्यालय वॉलीबॉल खिलाड़ियों के व्यक्तित्व लक्षणों का तुलनात्मक अध्ययन

आशीष राजपूत [1] * , डॉ. मनोज कुमार शर्मा [2]

1. रिसर्च स्कॉलर, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र., भारत
ashishrajput1234@gmail.com ,
2. सहायक प्रोफेसर, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र., भारत

सारांश: इस अध्ययन का उद्देश्य बिग फाइव व्यक्तित्व लक्षण मॉडल का उपयोग करके पुरुष और महिला विश्वविद्यालय वॉलीबॉल खिलाड़ियों के व्यक्तित्व लक्षणों की तुलना करना है। एक मानकीकृत व्यक्तित्व मूल्यांकन प्रश्नावली का उपयोग करके 200 विश्वविद्यालय वॉलीबॉल खिलाड़ियों (100 पुरुष और 100 महिलाएँ) से डेटा एकत्र किया गया था। अध्ययन में बहिर्मुखता, कर्तव्यनिष्ठा, खुलापन, सहमतता और विक्षिप्तता जैसे लक्षणों में अंतर का विश्लेषण किया गया है। परिणाम व्यक्तित्व लक्षणों में महत्वपूर्ण लिंग-आधारित अंतर दर्शाते हैं, जिसमें पुरुष खिलाड़ियों ने बहिर्मुखता और भावनात्मक स्थिरता में उच्च स्कोर किया, जबकि महिला खिलाड़ियों ने उच्च कर्तव्यनिष्ठा और सहमतता प्रदर्शित की। निष्कर्ष खेल प्रदर्शन में लिंग-विशिष्ट मनोवैज्ञानिक कारकों की गहरी समझ में योगदान करते हैं और प्रशिक्षकों और खेल मनोवैज्ञानिकों को अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम डिजाइन करने में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं।

मुख्य शब्द: व्यक्तित्व लक्षण, लिंग अंतर, विश्वविद्यालय वॉलीबॉल खिलाड़ी, बिग फाइव मॉडल, खेल मनोविज्ञान, एथलेटिक प्रदर्शन

---------- X ----------

परिचय

पिछले कुछ दशकों में खेलों में प्रदर्शन में नाटकीय रूप से सुधार हुआ है। पहले की तुलना में अकल्पनीय प्रदर्शन स्तर अब आम हो गए हैं और उत्कृष्ट परिणाम देने में सक्षम एथलीटों की संख्या बढ़ रही है। योगदान देने वाले कारकों में से एक यह है कि खेल एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, और गहन प्रेरणा ने लंबे, कठिन घंटों तक काम करने को प्रोत्साहित किया है। इसके अलावा, कोचिंग अधिक परिष्कृत हो गई है, आंशिक रूप से खेल विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की सहायता से। खेल विज्ञान वर्णनात्मक से वैज्ञानिक तक आगे बढ़ गया है। खेलों के बारे में ज्ञान का एक व्यापक आधार अब मौजूद है जो प्रशिक्षण पद्धति में परिलक्षित होता है। वर्तमान दुनिया में खेल बेहद प्रतिस्पर्धी हो गए हैं। यह केवल भागीदारी या अभ्यास नहीं है जो किसी व्यक्ति को जीत दिलाता है। इसलिए, खेल जीवन विभिन्न कारकों से प्रभावित होता है, जैसे फिजियोलॉजी, बायोमैकेनिक्स, खेल प्रशिक्षण, खेल चिकित्सा, समाजशास्त्र और खेल मनोविज्ञान इत्यादि। सभी कोच, प्रशिक्षक, शारीरिक शिक्षा कर्मी और डॉक्टर अपने देश के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। सभी देशों के एथलीट/खिलाड़ी भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने देशों के लिए सम्मान/पदक लाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आज के एथलीटों को कुछ अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मानक ऊंचे हैं, प्रतिस्पर्धा कठिन है, और दांव अधिक हैं। सर्वश्रेष्ठ में से, तैयारी अधिक पूर्ण है, और मनोवैज्ञानिक घटक पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वर्षों पहले, उच्च प्रदर्शन वाले शौकिया एथलीट अत्यधिक परिष्कृत मानसिक खेल योजना विकसित किए बिना प्रतियोगिता में खुद को अलग करने में सक्षम हो सकते थे, लेकिन आज यह उम्मीद करना बहुत हद तक उम्मीद करने जैसा है कि भगवान एक समय के दौरान आपको बताएंगे कि खेल को कैसे बदलना है। पिछले कुछ दशकों के दौरान, विभिन्न प्रकार के खेलों के कोच और एथलीट एथलेटिक प्रदर्शन के मानसिक पक्ष के महत्व को समझने लगे हैं। अधिक विशेष रूप से, संगठित खेल से जुड़े व्यक्ति अब समझते हैं कि एथलीटों को अपनी दक्षता के चरम स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए, उनके पास कई मनोवैज्ञानिक कौशल होने चाहिए और उनका उपयोग करना चाहिए।

यह ट्रैक और फील्ड की दुनिया में भी सच है क्योंकि कोच और एथलीट अपने एथलीटों के मनोवैज्ञानिक कौशल को बढ़ाने में रुचि रखते हैं। लगभग सभी प्रदर्शन एक खेल की स्थिति के खिलाफ मनोवैज्ञानिक कौशल को लागू करने की क्षमता पर निर्भर करते हैं। बढ़ा हुआ मानसिक

कौशल अक्सर बेहतर प्रदर्शन में योगदान देगा। खेल मनोविज्ञान को लंबे समय से सभी शारीरिक गतिविधियों में एक आवश्यक तत्व के रूप में मान्यता दी गई है और इसे आम तौर पर खेल प्रदर्शन का एक बुनियादी घटक माना जाता है।

कार्यप्रणाली

V नमूना

इस नमूने में वरिष्ठ महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं, पुरुष और महिला खिलाड़ी शामिल हैं। इसे यू.जी. और पी.जी. में अध्ययनरत कला, वाणिज्य और विज्ञान संकायों के छात्रों में से चुना गया। हिंदी भाषी क्षेत्र के 156 पुरुषों और 119 महिलाओं पर दो मुख्य प्रकार की विश्वसनीयता (ए) परीक्षण-पुनःपरीक्षण और (बी) आंतरिक संगति पाई गई। परीक्षण-पुनःपरीक्षण विश्वसनीयता के लिए पहले और दूसरे परीक्षण के बीच आठ सप्ताह के समय अंतराल के साथ सहसंबंध किया गया। छात्रों को विभिन्न कॉलेजों से चुना गया, इसी तरह 200 पुरुषों के लिए आंतरिक संगति विश्वसनीयता पाई गई और 200 महिलाओं को अध्ययन के लिए अंतिम रूप से चुना गया। परिणाम तालिका 1 और 2 में बताए गए हैं।

V मानकीकरण डेटा

ईपीआई के दोनों स्वरूप 16 से 54 वर्ष की आयु के 600 पुरुषों और 400 महिलाओं के नमूने पर प्रशासित किए गए थे, जिनकी औसत आयु 34 से 70 वर्ष थी। नमूने में वरिष्ठ कॉलेजों के छात्र शामिल हैं। अंतर-विश्वविद्यालय और राज्य स्तर के पुरुष और महिला खिलाड़ी।

V परीक्षण का प्रशासन

विश्वविद्यालय के पुरुष और महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों को ई.पी.आई. वितरित किए गए थे और अनुसंधान द्वारा इन सूचियों को भरने से पहले वॉलीबॉल खिलाड़ियों को निर्देश दिए गए थे।

V सांख्यिकीय तकनीक

डेटा का विश्लेषण करने के लिए औसत स्कोर, मानक विचलन और टी-टेस्ट का उपयोग न्यूरोटिसिज्म के संबंध में व्यक्तित्व के अध्ययन और विश्वविद्यालय और पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बीच बहिर्मुखता और झूठ के पैमाने को शामिल करने के लिए किया गया था।

विश्वविद्यालय और पुरुष और महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के लिए सांख्यिकीय रूप से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

डेटा संग्रह के लिए प्रयुक्त उपकरण

संग्रह के लिए मानकीकृत पैमानों के डेटा का चयन किया गया।

चट्टरपुर से वॉलीबॉल स्थान से संपर्क करके 100 पुरुष और 100 महिला विश्वविद्यालय वॉलीबॉल खिलाड़ियों से आइसेनक व्यक्तित्व सूची के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से डेटा एकत्र किया गया।

तीनों उपकरणों में से प्रत्येक को व्यक्तिगत रूप से और साथ ही श्री कृष्ण विश्वविद्यालय (18-21.वर्ष) और महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय (22-25.वर्ष) पुरुष और महिला समूह में प्रशासित किया जा सकता है। अध्ययन के लिए डेटा एकत्र करते समय बाद के तरीकों को अपनाया गया। विषय और उनके बैठने की व्यवस्था एक कक्षा में की गई थी। परीक्षण या पैमाने के प्रशासन से पहले, हालांकि अनौपचारिक बातचीत उचित तालमेल बनाती है।

पैमाने और परीक्षण के लेखक द्वारा सुझाए गए निर्देश और प्रक्रिया का पालन करते हुए। परीक्षण एकत्र किया गया था। उसी प्रक्रिया का पालन करते हुए, पूरे डेटा को एकत्र किया गया था।

डेटा की व्याख्या

तालिका 1: महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय के पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बीच व्यक्तित्व के न्यूरोटिसिज्म का औसत स्कोर, मानक विचलन और टी-अनुपात।

पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ी	संख्या	माध्य अंक	मानक विचलन	टी-अनुपात
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	100	13.3700	3.19929	317NS
श्री कृष्ण विश्वविद्यालय	100	13.2400	2.57070	

एनएस = महत्वपूर्ण नहीं.

तालिका 1 के अनुसार महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय के पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के न्यूरोटिसिज्म के संबंध में व्यक्तित्व के अध्ययन के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात।

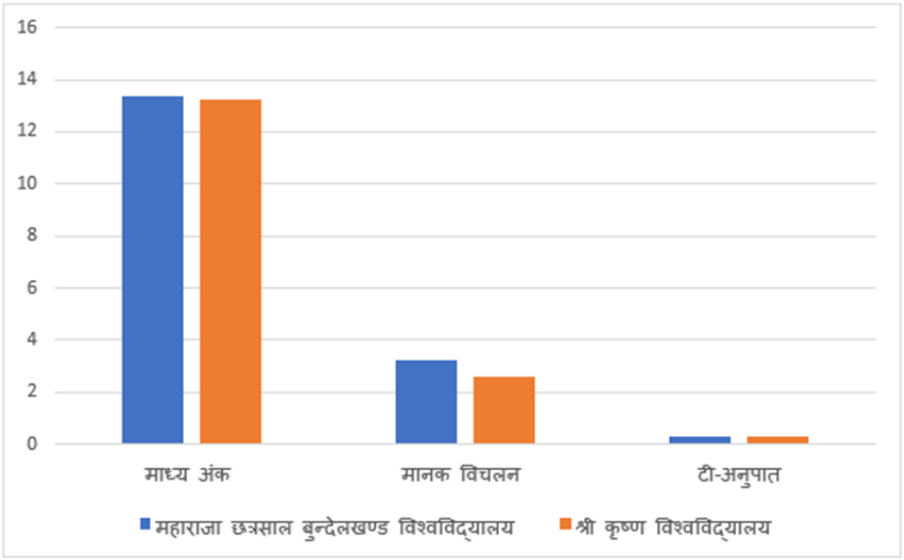

आकृति 1: अंतर-विश्वविद्यालय और राज्य स्तरीय पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के संबंध में व्यक्तित्व अध्ययन के न्यूरोटिसिज्म के औसत स्कोर और मानक विचलन को दर्शाता है।

तालिका 2: महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय के पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बीच व्यक्तित्व के बहिर्मुखता के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात।

पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ी	संख्या	माध्य अंक	मानक विचलन	टी-अनुपात

महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	100	12.3500	2.74276	2.513NS
श्री कृष्ण विश्वविद्यालय	100	11.4700	2.17634	

एनएस= महत्वपूर्ण नहीं.

तालिका 2 के अनुसार महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बहिर्मुखता के संबंध में व्यक्तित्व के अध्ययन के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात का पता चलता है।

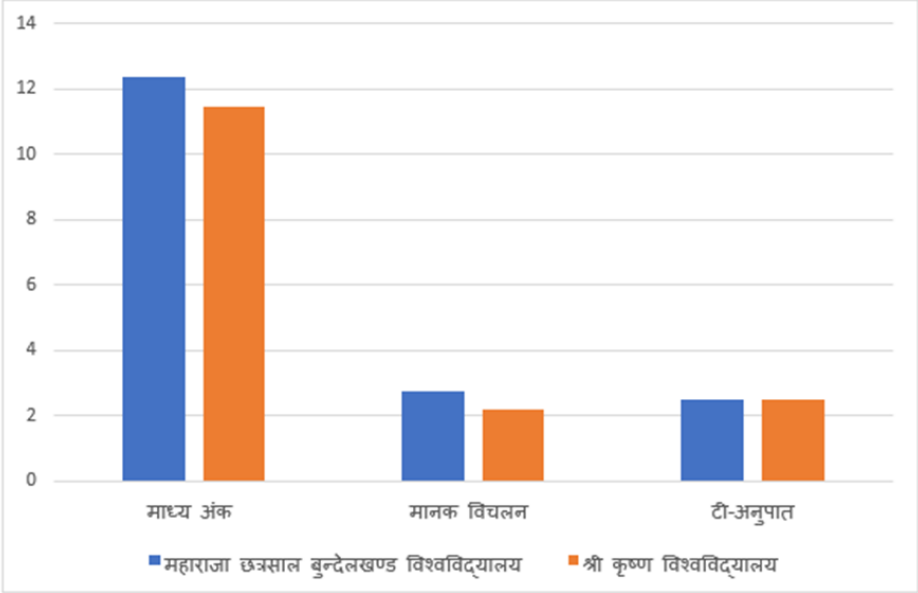

आकृति 2: अंतर-विश्वविद्यालय और राज्य स्तरीय पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के संबंध में व्यक्तित्व अध्ययन के औसत स्कोर और मानक विचलन को दर्शाता है।

तालिका 3: महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय के पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बीच व्यक्तित्व के लाइ स्केल के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात।

पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ी	संख्या	माध्य अंक	मानक विचलन	टी-अनुपात
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	100	5.4800	1.82286	9.074*
श्री कृष्ण विश्वविद्यालय	100	3.2300	1.68288	

*0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

तालिका 3 के अनुसार महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के लाइ स्केल के संबंध में व्यक्तित्व के अध्ययन के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात को दर्शाया गया है।

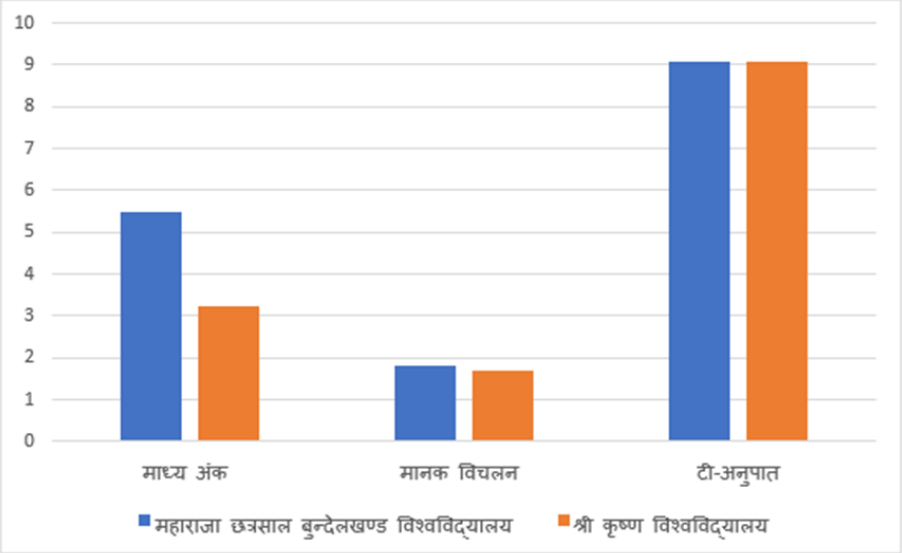

आकृति 3: अंतर-विश्वविद्यालय और राज्य स्तरीय पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ियों के संबंध में व्यक्तित्व अध्ययन के लाइ स्केल के औसत स्कोर और मानक विचलन को दर्शाता है।

तालिका 4: महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय की महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों में व्यक्तित्व के न्यूरोटिसिज्म का औसत स्कोर, मानक विचलन और टी-अनुपात।

पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ी	संख्या	माध्य अंक	मानक विचलन	टी-अनुपात
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	100	13.5500	3.06948	3.806
श्री कृष्ण विश्वविद्यालय	100	15.0800	2.59635	NS

*0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

तालिका 4 के अनुसार महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के न्यूरोटिज्म के संबंध में व्यक्तित्व के अध्ययन के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात दिखाए गए हैं।

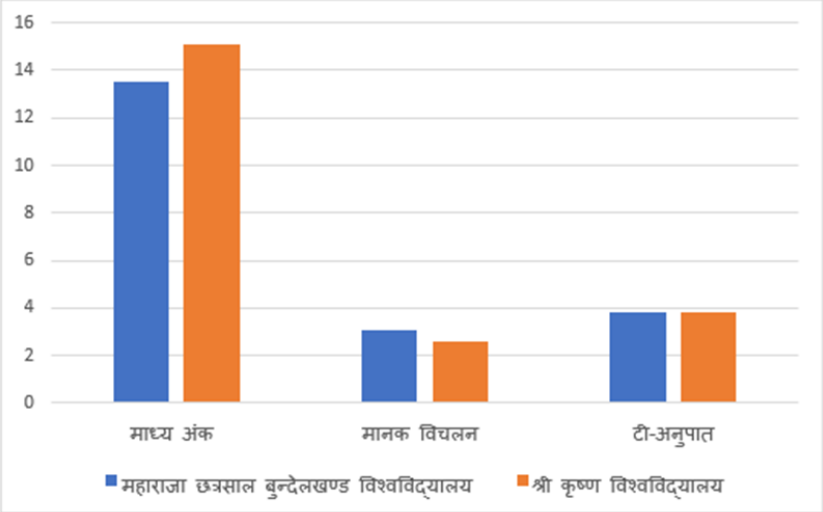

आकृति 4: अंतर-विश्वविद्यालय और राज्य स्तरीय महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के संबंध में व्यक्तित्व अध्ययन के न्यूरोटिसिज्म के औसत स्कोर और मानक विचलन को दर्शाता है।

तालिका 5: महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय की महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बीच व्यक्तित्व के बहिर्मुखता के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात।

पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ी	संख्या	माध्य अंक	मानक विचलन	टी-अनुपात
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	100	11.5300	2.29384	1.534
श्री कृष्ण विश्वविद्यालय	100	13.2900	11.24322	NS

*0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

तालिका 5 के अनुसार महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय की महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बहिर्मुखता के संबंध में व्यक्तित्व के अध्ययन के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात का पता चलता है।

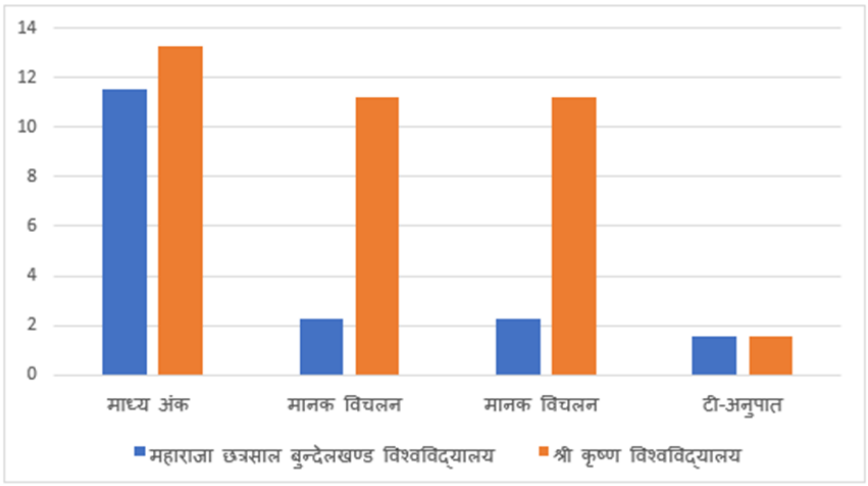

आकृति 5: अंतर विश्वविद्यालय और राज्य स्तरीय महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के संबंध में व्यक्तित्व अध्ययन के बहिर्मुखता के औसत स्कोर और मानक विचलन को दर्शाता है।

तालिका 6: महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय की महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के बीच व्यक्तित्व के लाइ स्केल के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात।

पुरुष वॉलीबॉल खिलाड़ी	संख्या	माध्य अंक	मानक विचलन	टी-अनुपात
महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	100	4.4700	2.04720	6.079*
श्री कृष्ण विश्वविद्यालय	100	3.0000	1.28708	

*0.01 स्तर पर महत्वपूर्ण

तालिका 6 के अनुसार महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय और श्री कृष्ण विश्वविद्यालय महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के लाइ स्केल के संबंध में व्यक्तित्व के अध्ययन के औसत अंक, मानक विचलन और टी-अनुपात दिखाए गए हैं।

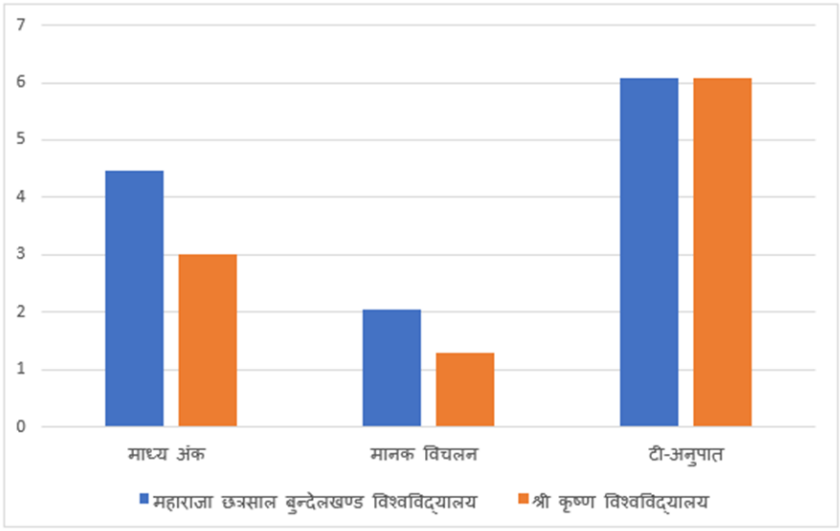

आकृति 6: अंतर-विश्वविद्यालय और राज्य स्तरीय महिला वॉलीबॉल खिलाड़ियों के संबंध में व्यक्तित्व अध्ययन के लाइ स्केल के औसत स्कोर और मानक विचलन को दर्शाता है।

निष्कर्ष

यह अध्ययन विश्वविद्यालय वॉलीबॉल खिलाड़ियों के व्यक्तित्व लक्षणों में महत्वपूर्ण लिंग-आधारित अंतरों पर प्रकाश डालता है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मनोवैज्ञानिक आकलन को शामिल करने से व्यक्तिगत और टीम दोनों के प्रदर्शन में सुधार हो सकता है। भविष्य के शोध इन लक्षणों पर सांस्कृतिक और पर्यावरणीय कारकों के प्रभाव का पता लगा सकते हैं।

संदर्भ

1. एलन, एम.एस., और लेबोर्डे, एस. (2014)। खेल और शारीरिक गतिविधि में व्यक्तित्व की भूमिका। मनोवैज्ञानिक विज्ञान में वर्तमान दिशाएँ, 23(6), 460-465।
2. कोस्टा, पी.टी., और मैककेर्, आर.आर. (1992)। चार तरीके जिनसे पाँच कारक बुनियादी हैं। व्यक्तित्व और व्यक्तिगत अंतर, 13(6), 653-665।
3. गिल, डी.एल., और विलियम्स, एल. (2008)। खेल और व्यायाम की मनोवैज्ञानिक गतिशीलता। मानव गतिकी।
4. खान, ए., और हुसैन, एन. (2021)। विश्वविद्यालय एथलीटों के बीच व्यक्तित्व लक्षणों में लिंग अंतर। जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, 45(3), 211-227.
5. रॉबर्ट्स, बी. डब्ल्यू., और वुड, डी. (2006). खेल के संदर्भ में व्यक्तित्व विकास. जर्नल ऑफ पर्सनालिटी, 74(5), 1323-1346.
6. स्मिथ, आर. ई., और क्रिस्टेंसन, डी. एस. (1995). पेशेवर बेसबॉल में प्रदर्शन और उत्तरजीविता के भविष्यवक्ता के रूप में मनोवैज्ञानिक कौशल. जर्नल ऑफ स्पोर्ट एंड एक्सरसाइज साइकोलॉजी, 17(4), 399-415.
7. आइसेनक, एच. जे. (1992). व्यक्तित्व और खेल प्रदर्शन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्पोर्ट साइकोलॉजी, 23(1), 32-39.
8. मार्श, एच. डब्ल्यू., और पेरी, सी. (2005). आत्म-अवधारणा और खेल प्रदर्शन. जर्नल ऑफ एप्लाइड स्पोर्ट साइकोलॉजी, 17(3), 231-252.

9. निया, एम. ई., और बेशरत, एम. ए. (2010)। व्यक्तिगत और टीम खेलों में एथलीटों की व्यक्तित्व विशेषताओं की तुलना। प्रोसीडिया - सामाजिक और व्यवहार विज्ञान, 5, 808-812।

10. रीव्स, एम. जे., और फ्रेजर-थॉमस, जे. (2020)। व्यक्तित्व और शारीरिक गतिविधि: एक मेटा-विश्लेषण। स्वास्थ्य मनोविज्ञान समीक्षा, 14(1), 48-68।